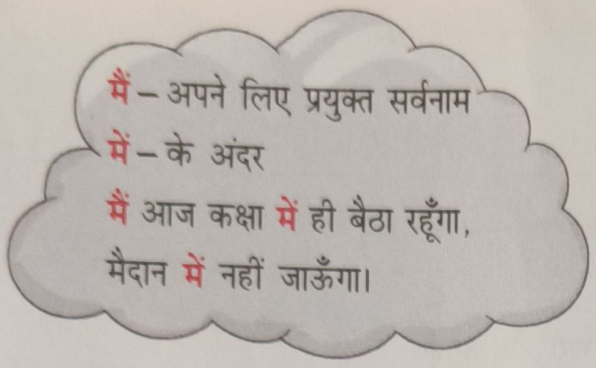
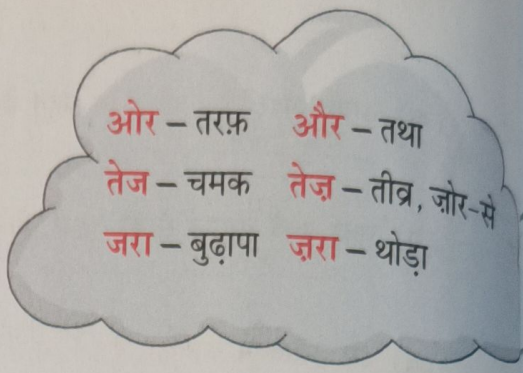
4. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

(सुनने में लगभग समान, लेकिन अलग अर्थ वाले शब्द)





बच्चो, मैं-में, ओर-और, तेज-तेज़ तथा जरा-ज़रा आदि शब्दों का उच्चारण करके देखिए। इनमें जोड़े के दोनों शब्दों की ध्वनि लगभग समान है, लेकिन इनके अर्थ में बहुत अंतर है। यही शब्द श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द हैं। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि

परिभाषा

जो शब्द सुनने में लगभग एक समान लगते हैं, लेकिन जिनके अर्थ अलग होते हैं, उन्हें 'श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द' कहा जाता है।

कुछ प्रमुख श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द–

कुल = 14

असमान	– जो समान न हो	यह दीवार असमान दिखाई दे रही है।
आसमान	– आकाश	आसमान पर बादल छाए हैं।
अनल	– आग	अनल ने भयंकर रूप धारण कर पूरा जंगल जला डाला।
अनिल	– हवा	धीरे-धीरे अनिल बह रहा था।
आदि	– आरंभ, इत्यादि	आप सेब, केले आदि ले आइए।
आदी	– अभ्यस्त, जिसे किसी चीज़ की लत हो	वह कॉफ़ी का आदी हो गया है।
ओर	– तरफ़	आप उस ओर मत जाइए।
और	– तथा व दूसरा	तुम और मैं वहाँ ज़रूर चलेंगे। आपको और क्या चाहिए?
कपट	– छल	हमें किसी के साथ कपट नहीं करना चाहिए।
कपाट	– किवाड़, दरवाज़ा	मंदिर के कपाट इस समय तक बंद कर दिए जाते हैं।
कि	– योजक शब्द	उसने कहा कि वह कल स्कूल नहीं जाएगा।
की	– संबंध कारक की विभक्ति, सामान्य भूतकाल की क्रिया	यह रोहन की कार है। उसने शिकायत नहीं की।

कुल	– वंश या जोड़	अच्छे कुल में जन्म लेकर भी उसने ऐसा कार्य किया।/ दो और दो कुल चार होते हैं।
कूल	– किनारा	यमुना के कूल पर भगवान कृष्ण अपने बाल सखाओं के साथ खेला करते थे।
कृपण	– कंजूस	वह सेठ बहुत कृपण है।
कृपाण	– कटार (एक अस्त्र)	वे कमर में कृपाण लगाकर निकले।
कोश	– भंडार, संग्रह जैसे–शब्दकोश	इस शब्दकोश में नुक्ते वाले शब्द भी दिए गए हैं।
कोष	– खज़ाना जैसे–कोषागार	आपदा के समय राजकोष से सहायता की जाती है।
ग्रह	– सूर्य, मंगल आदि नक्षत्र	हमारी धरती सौर परिवार का अनोखा ग्रह है।
गृह	– घर	उन्होंने कल गृह-प्रवेश किया?/मैंने अपना गृहकार्य कर लिया।
चरम	– अंतिम सीमा तक पहुँचा हुआ	यह मैच बिलकुल चरम पर पहुँचेगा।
चर्म	– खाल	इस दाग को किसी चर्म रोग विशेषज्ञ को दिखा दो।
जरा	– बुढ़ापा	जरावस्था यानी बुढ़ापे में योग से ही स्वस्थ रह सकते हैं।
ज़रा	– थोड़ा-सा	हमें किसी के साथ ज़रा-सा भी धोखा नहीं करना चाहिए।
तड़ाक	– तड़ की आवाज़, जल्दी	दारोगा जी ने चोर के गाल पर तड़ाक से चपत लगाया।
तड़ाग	– सरोवर, बड़ा-सा कुंड	उस तड़ाग में एक मगरमच्छ रहता था।
दिन	– दिवस	उस दिन स्कूल का अवकाश रहेगा।
दीन	– गरीब	हमें दीन-हीनों की मदद करनी चाहिए।
दशा	– हालत	बेरोज़गार युवकों की दशा बेहद खराब हो जाती है।
दिशा	– ओर, तरफ़ आदि	उन्हें मैंने अभी उस दिशा में जाते देखा है।
नीड़	– घोंसला	शाम होते ही पक्षी अपने नीड़ों में लौट आते हैं।
नीर	– पानी	नदियों के निर्मल नीर को विषाक्त करने का परिणाम हम सब भुगत रहे हैं।
नियत	– निर्धारित, पहले से तय	हमें नियत समय पर सारे काम करने चाहिए।
नीयत	– इरादा	कुछ लोगों की नीयत ठीक नहीं होती।
परिणाम	– नतीजा	मेहनत का परिणाम सदा अच्छा होता है।
परिमाण	– नाप-तोल	आज घटतौली इतनी बढ़ गई है कि बहुत-से सामान सही परिमाण में नहीं मिल पाते हैं।
परुष	– कठोर	हमें किसी से परुष वचन नहीं कहने चाहिए।
पुरुष	– नर	यह डिब्बा पुरुषों के लिए नहीं, बल्कि केवल महिलाओं के लिए है।

पका	– पका हुआ	उस डाली पर एक पका आम दिखाई दे रहा है।
पक्का	– मज़बूत	हमें पक्का इरादा करके ही आगे कदम बढ़ाना चाहि
बेल	– लता	यह बेल खीरे की है।
बैल	– खेती के लिए उपयोगी एक पालतू पशु	यह बैल बहुत सीधा है, इसे बच्चे भी बाँध सकते है
बाग	– बगीचा	इस बाग में आम, अनार व अमरूद के पेड़ हैं।
बाघ	– व्याघ्र, एक हिंसक जंगली पशु	जंगल में बाघ ने एक हिरन को मार डाला।
लक्ष	– लाख	राजा ने विजेता को एक लक्ष स्वर्ण मुद्राएँ देकर कि किया।
लक्ष्य	– गंतव्य, उद्देश्य आदि	हमें पूरी तरह से अपने लक्ष्य पर ध्यान रखना चाहिए।
शोक	– दुख	शोक की घड़ी में व्यक्ति को सहारे की ज़रूरत होती
शौक	– रुचि	उसे पतंग उड़ाने का बहुत शौक है।

यह भी जानें

एक छोटा-सा नुक़्ता भी अर्थ बदलने की क्षमता रखता है; जैसे- फ़ौज-सेना, फ़ौज़-हित, भलाई आदि ज़ीना-जीने की क्रिया, ज़ीना-सीढ़ी आदि।

पाठ एक नज़र में

- सुनने में लगभग एक समान, लेकिन अलग अर्थ देने वाले शब्द 'श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द' कहलाते हैं।
- श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों का ज्ञान सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना सिखाता है।



सोचिए और बताइए

(पाठ्यवस्तु बोध)

1. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों को उदाहरण देकर समझाए।
2. 'जरा' और 'ज़रा' में अंतर बताइए।